REVIEW OF RESEARCH
IMPACT FACTOR : 5.7631(UIF) UGC APPROVED JOURNAL NO. 48514 ISSN: 2249-894X
VOLUME - 8 | ISSUE - 3 | DECEMBER - 2018

नागपूर के एथलेटिक्स पुरूष एंव महिला खिलाडियों का राष्ट्रीय खेलों में प्रदर्शन के स्तर का अध्ययन

डॉ. अनिल चरडे
अनुसंधानकर्ता ,संत गाडगे महाराज महाविद्यालय, हिंगणा, जिल्हा-नागपूर.

सारांश

खेल एक सहज प्रवृति है, जो आत्म-स्थापन का एक रूप और इसलिए जिसे मूल प्रवृति माना जा सकता है। यह मनुष्य ही नही प्राणिमात्र के रक्त में मिश्रित है। हम प्रतिदिन पशु-पक्षियों को परस्पर विविध प्रकार से क्रीडायें करके अपना मनोविनोद करते देखते है। नादायें अपने शावकों के साथ खेल करती है। अतः खेल का इतिहास उतना ही पुराना है, जितना पुरान जीव का पृथ्वी पर प्रथम प्राद्रुर्भाव है। उपरोक्त कारणों को ध्यान में रखकर ही शोधकर्ता ने नागपूर के समाजकल्याण विभाग अंतर्गत आनेवाले नगपूरमें रहनेवाले छात्रों का राष्ट्रीय खेलों में प्रदर्शन के स्तर का अध्ययन के लिए चयन किया है।

प्रस्तावना

हमारे यहाँ खेल के लिए मुख्यतः दो शब्द है- खेल और क्रीडा। लीला शब्द क्रिडा के अर्थ का तनिक अर्थ देश के साथ विस्तार है। खेलन, खेल, खेलि, क्रिडन और आक्रीड शब्द खेल और क्रीडा शब्दों के ही तदर्थक रूपान्तर है। क्रीडनक और खिलौना शब्द खेल की साधन मूल वस्तूओं के रूप में व्यवहत होते है। खेल शब्द का धात्वर्थ है हिलना, जिसके अर्थ विस्तार है 'कांपना' और 'इधर-उधर' घूमना। 'क्रिडा' का धात्वर्थ है आत्म विनोद। वैदिक भाषा मे क्रिडा को 'क्रीळा' लिखा जाता है और खिलाडी के अर्थ में क्रीळु शब्द है।

ओलंपिक राष्ट्रमंडल और एशियाई देशों की खेल समारोह की ही तर्ज पर हमारे देश में राष्ट्रीय खेलों का सूत्रपात किया गया।

खेल को खेल की भावना से खेलो (प्ले द गेम इन द स्पिरिट ऑफ द गेम) का महामंत्र देने वाले स्वर्णीय जवाहरलाल नेहरु स्वयं भी एक बहुत अच्छे खिलाडी थे। उन्हें घुडसवारी, पर्वतारोहण और योगाभ्यास में शीर्षासन का बेहद शौक होने के साथ-साथ तैराकी, लान-टेनिस, क्रिकेट, बिलियर्ड और फुटबॉल आदि खेलों से बेहद दिलचस्पी थी। अहमदाबाद की जेल में वह कभी-कभी वालीबॉल भी खेला करते थे।

भारतीय खेल जगत को नेहरू जी से बहुत सहयोग और प्रोत्साहन मिला। उन्हीं प्रोत्साहन से भारत अन्तर्राष्ट्रीय एथलेटिक प्रतियोगिताओं में हिस्सा

ले सका और उन्हीं के सहयोग आर आर्शीवाद से ही एंथनी डिमैलों भारत में एशियाई खेलों का विशाल आयोजन करने में सफल हो सके। जब कभी भारतीय नेताओं ने विदेशी मुद्रा का संकट बताकर भारतीय टिम को अंतर्राष्ट्रय प्रतियोगिताओं में भेजने में अपनी असमर्थता बताई, तभी नेहरू जी ने भारतीय खेल और खिलाडियों का ही साथ दिया। सब तो यह है कि, नेहरू के हस्तक्षेप के बिना १९६२ में न तो भारतीय फुटबॉल टीम एशियाई प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए जकार्ता पहुंच पाती और न ही भारतीय फुटबॉल टीम को एशियाई चैम्पियन होने का गौरव प्राप्त होता।

इस समस्या का कथन, **"नागपूर के एथलेटिक्स पुरूष एंव महिला खिलाडियों का राष्ट्रीय खेलों में प्रदर्शन के स्तर का अध्ययन'** यह था।'

तालिका क्र. १ एथलेटिक्स पुरूष खिलाडी

अ.क्र.	खेल	खिलाडी संख्या	पदक	प्रतिशत
१	१०० मीटर दौड	२	१	५०%
२	२०० मीटर दौड	२	–	००%
३	४०० मीटर दौड	२	१	५०%
४	८०० मीटर दौड	२	–	०%
५	१५०० मीटर दौड	२	–	०%
६	५००० मीटर दौड	२	१	५०%
७	१०००० मीटर दौड	२	१	५०%
८	११० मीटर बाधा दौड	२	२	१००%
९	४०० मीटर बाधा दौड	२	१	५०%
१०	३००० स्टिपल चेस	२	–	००%
११	२० मी. पैदल चलने की स्पर्धा	१	–	००%
१२	४×१०० मीटर रिले दौड	५	१	१००%
१३	४×४०० मीटर रिले दौड	५	१	१००%
१४	लम्बी कूद	१	–	००%
१५	ऊँची कूद	१	–	००%

उपरोक्त तालिका के अनुसार राष्ट्रीय खेल में आयोजित नागपूर में रहनेवाल महाराष्ट्र के पुरूष संघ को ११० मीटर बाधा दौड, ४×१०० मीटर रिले दौड, ४×४०० मीटर रिले दौड में महाराष्ट्र के १००% खिलाडियों ने सफलता प्राप्त की। १०० मीटर की दौड, ४०० मीटर की दौड, ५००० मीटर की दौड, १०००० मीटर की दौड तथा ४०० मीटर बाधा दौड, में महाराष्ट्र के ५०% खिलाडियों ने

सफलता प्राप्त की। २०० मीटर दौड, ८०० मीटर दौड, १५०० मीटर दौड, ३००० स्टिपल बेस, २० मीटर पैंदल चलने की स्पर्धा, लम्बी कूद तथा ऊँची कूद में कोई सफलता प्राप्त नहीं हुइ।

तालिका क्र. २ नागपूर में रहनेवाली महिला खिलाडी

अ.क्र.	खेल	खिलाडी संख्या	पदक	प्रतिशत
१	१०० मीटर दौड	२	१	५०%
२	२०० मीटर दौड	२	–	००%
३	४०० मीटर दौड	२	–	००%
४	८०० मीटर दौड	२	–	००%
५	१५०० मीटर दौड	२	१	५०%
६	३००० मीटर दौड	२	२	१००%
७	१०००० मीटर दौड	२	२	१००%
८	१०० मीटर बाधा दौड	२	–	००%
९	४०० मीटर बाधा दौड	१	–	००%
१०	४×१०० मीटर रिले दौड	५	१	१००%
११	४×४०० मीटर रिले दौड	५	–	००%
१२	१० किलो. मी. पैदल चलने की स्पर्धा	२	–	५०%
१३	लम्बी कूद	१	–	००%
१४	लम्बी कूद	१	–	१००%

उपरोक्त तालिका के अनुसार राष्ट्रीय खेल में आयोजित नागपूर में रहनेवाली महाराष्ट्र के महिला संघ को ३००० मीटर दौड, १०००० मीटर की दौड ४×१०० मीटर रिले दौड, तथा ऊँची कूद में महाराष्ट्र के १०० खिलाडियों ने सफलता प्राप्त की। १०० मीटर की दौड, १५०० मीटर दौड १० कि. लो. पैदल चलने की स्पर्धा में महाराष्ट्र के ५०% खिलाडियों ने सफलता प्राप्त की। २०० मीटर दौड, ४०० मीटर की दौड, ८०० मीटर की दौड, १०० मीटर दौड, ४०० मीटर बाधा दौड, ४×४०० मीटर रिले दौड तथा लम्बी कूद में कोई सफलता प्राप्त नहीं हुई।

निष्कर्ष

प्रदर्शन पर परिणाम का निष्कर्ष निम्नलिखित है।

- राष्ट्रीय खेलों में नागपूर में रहनेवाल पुरूष एवं महिला खिलाडियों का प्रदर्शन १०० मीटर दौड में संतोषजनक रहा।
- राष्ट्रीय खेलों में नागपूर में रहनेवाल पुरूष एवं महिला खिलाडियों का प्रदर्शन ४०० मीटर दौड में पुरूषों का प्रदर्शन संतोषजनक किन्तू महिलाओं का निराशाजनक रहा।
- राष्ट्रीय खेलों में नागपूर में रहनेवाल पुरूष एवं महिला खिलाडियों का प्रदर्शन ५००० मीटर व १०,००० मीटर की दौड में पुरूष विभाग का संतोषजनक व महिला विभाग का प्रदर्शन संतोषजनक रहा।
- राष्ट्रीय खेलों में नागपूर में रहनेवाल पुरूष एवं महिला खिलाडियों को प्रदर्शन १५०० मीटर, ३००० मीटर तथा १०,००० मीटर पैदन चलने में की दौड में महिला विभाग का प्रदर्शन संतोषजनक रहा।
- राष्ट्रीय खेलों में नागपूर में रहनेवाल पुरूष एवं महिला खिलाडियों का प्रदर्शन बाधा दौड में पुरूष विभाग का प्रदर्शन संतोषजनक रहा।

संदर्थ ग्रथं सूची

- पाण्डेय, लक्ष्मीकांत 'भारतीय खेलों का मीमांसा' (नई दिल्ली: मैट्रोपोलिटन बुक कम्पनी, प्रा. लि. नेताजी सुभाष मार्ग १९८२).
- थानी योगराज, 'अन्तराष्ट्रीय खेल और भारत' असांरी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली–११०००२
- Pahuja V.K., "Statistical Bulletin" Swimming (B-712, Greenfield Colony, Aravilli Hills, Sujaj Kund Road, Faridabad-121010.)
- National Games '94, Pune- Bombay, Sports Authority of India, Neraji Subhas National Institute of Sports Patiala, India.'
- Foundation of Physical Education and Sports (Monday St Louis New York.)
- खेल कूद विशेषांक, मुद्रक: डायमण्ड प्रिन्टिंग प्रेस, जयपूर.
- मनोरना इयर बुक, २०००
- मनोरना इयर बुक, २००३
- कॉनिकल इयर बुक, (क्रॉनिकल पब्लिकेशन प्रा. सी–६/५२, सफदरगंज, डेवलपमेंट एरिया, नई दिल्ली).
- खेल–कूद विशेषांग (प्रिंटर्स मलयाला, मनोरमा प्रेस, कोट्टयम).
- लोकमत समाचार १०, ११, १२, १३, १४, १५, १६, १७, १८, १९ फरवरी ०७
- 'नवभारत' नागपूर १०, १३, १४, १५, १९ फरवरी ०७.
- 'दैनिक भास्कर' नागपूर ०९, ११, १२, १४, १५, १९ फरवरी ०७.
- देशोन्नती १० फेब्रुवारी ०७
- Hitvadada 12, 14 Feb, 2007
- लोकराज्य, माहिती व जनसंपर्क महासंचालनालय, नवीन प्रशासन भवन, १७ वा मजला, मुंबई– ४०००३२, पे. १०–११, १५.